NCERT Solutions For Class 12 Hindi Aroh (Poem)

CH 1 – आत्मपरिचय, एक गीत

प्रश्न 1. कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है?

उत्तर: इन दोनो पंक्तियों में विरोध का आभास है लेकिन यह दोनों पंक्तियाँ एक दूसरे के बिना पूरी भी नहीं होती है। इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि उसने कभी जग का ध्यान नहीं किया है अर्थात कवि को लोगों की बातों से कोई मतलब नहीं है। कविता की दूसरी पंक्ति में कवि कहते हैं कि हमें बिना अर्थ वाली बातों को छोड़कर, समाज की खराब परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न 2. जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं- कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर: कवि के इस कथन का मतलब यह है कि मूर्ख मनुष्य मायारूपी संसार में फंस जाता है। मानव को इस बात का ज्ञान होता है कि यह संसार कुछ भी नहीं है अपितु एक माया है फिर भी वह इसमें उलझने से खुद को रोक नहीं पाता है। मोक्ष के रास्ते पर चलने वाले कुछ मनुष्य भी इस संसार में मौजूद है। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि इस संसार में यदि मूर्ख लोग हैं तो कुछ लोग विवेकशील भी हैं।

प्रश्न 3. मैं और, और जग और कहाँ का नाता- पंक्ति में और शब्द कि विशेषता बताइए।

उत्तर: इस पंक्ति में कवि ने तीन बार 'और' शब्द का उपयोग किया है। इसका तात्पर्य है कि इसमें यमक अलंकार हैं। पहली बार 'और' का उपयोग कवि स्वामी और आम आदमी को अलग करने के लिए करते हैं। दूसरी बार 'और' शब्द का उपयोग दुनिया की विशेषता बताने के लिए करते हैं। तीसरी बार 'और' शब्द का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि दुनिया और कवि के बीच में कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्रश्न 4. शीतल वाणी में आग- के होने का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: उपयुक्त दिए गए वाक्य में कवि ने विरोधाभास अलंकार का उपयोग किया है। बच्चन जी कहते हैं कि उन्हें यह सामाजिक व्यवस्था संतुष्ट नहीं करती है लेकिन फिर भी वह अपनी वाणी को शीतल रखने का प्रयास करते हैं। चाहे उनके भीतर कितना भी आक्रोश क्यों ना उत्पन्न हो रहा हो। कवि कहते हैं कि उन्हें यह संसार को बिना प्रेम के स्वीकार्य नहीं है।

प्रश्न 5. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ो से झाँक रहे होंगे?

उत्तर: पक्षियों के बच्चे खाने की आशा में नीड़ो से झाँकते हैं। वह अपने माता-पिता के इंतजार में रहते हैं कि वह उनके लिए भोजन लेकर आएंगे और उनका पेट भरेगा। वह इसलिए भी नीड़ो से झाँकते हैं क्योंकि उन्हें अपने माता-पिता के प्रेम की याद आती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 6. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है- की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर: दिन जल्दी-जल्दी ढलता है की आवृत्ति से कविता में समय की महत्ता का पता चलता है। इस कविता में यह बताया गया है कि वह व्यक्ति जिसको लक्ष्य पाने की चाह होती है उसे अपने समय का ज्ञान नहीं होता है, वह लक्ष्य तक पहुँचने के लिए उत्सुक होता है। इस पंक्ति में समय की निरंतरता को दर्शाया गया है। कवि यह कहता है कि समय किसी के लिए भी रुकता नहीं है, वह निरंतर चलता रहता है। इसलिए सभी के लिए समय के साथ चलना आवश्यक है।

प्रश्न 7. संसार में कष्टों को सहते हुए भी खुशी और मस्ती का माहौल कैसे पैदा किया जा सकता है?

उत्तर: मनुष्य का जीवन कई प्रकार के कष्टों से भरा है, उसे कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है। मनुष्य की नियति ही कष्ट भुगतना है क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए वह हर रिश्ते को निभाता है। मनुष्य को दुख से परेशान नहीं होना चाहिए, सुख और दुख समय के चक्र के साथ आते रहते हैं। जहां पर दुख के बिना सुख की सच्ची भावना पाई जा सकती है। इसलिए संतुलित और सकारात्मक रवैया अपनाकर जीवन को हंसमुख बनाना चाहिए। लगातार सक्रियता भी कष्टों को भूलने में मदद करती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in